Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DPJ-104

मुहूर्त विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाण पत्र (डी0पी0जे0 / सी0पी0जे0)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. विवाह, चूडाकर्म, उपनयन संस्कारों का सविस्तार वर्णन कीजिये ?

P.T.O.

Q.2. विवाह संस्कार में लग्न शुद्धि, गुरू, शुक्र के विचार पर प्रकाश डालिये?

Q.3. द्वारस्थापन में मासशुद्धि वं पंचांगशुद्धि क्या है ? विस्तार पर्वूक वर्णन कीजिये।

Q.4. जीर्णगृहप्रवेश में वामरवि एंव पृष्ठस्थ शुक्र विचार पर निबन्ध लिखिये ?

Q.5. गृहारम्भ के मुहूर्त पर प्रकाश डालिये ?

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. गर्भाधान संस्कार क्या है ? इस पर प्रकाश डालिये।

Q.2. मुख्य रूप से मुहूर्त के कितने अंग होते है, इसे समझायें।

Q.3. संस्कारों का मानव जीवन में क्या महत्व है स्पष्ट कीजिये ?

Q.4. पुंसवन संस्कार क्यों आवश्यक है ?

Q.5. द्वारस्थापन में लग्नशुद्धि को स्पष्ट रूप से समझायें।

Q.6. काकिणी विचार क्यों आवश्यक है, उदाहरण सहित समझाइये।

Q.7. मूर्तिप्रतिष्ठा किन वारों, नक्षत्रों, मासौंव दिनों में शुभ होती है इसको लिखिये।

Q.8. गृहारम्भ में लग्नशुद्धि क्या है, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

अथवा

राहु काल से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट कीजिए।

****